ज्ञानविविधा
कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

ISSN : 3048-4537(Online)
3049-2327(Print)
IIFS Impact Factor-2.25
Vol.-2; Issue-4 (Oct.-Dec.) 2025
Page No.- 90-92
©2025 Gyanvividha
https://journal.gyanvividha.com

**Author's :**

**देश दीपक**

आईसीएसएसआर शोध अध्येता, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उ0प्र0, भारत, 208024.

Corresponding Author :

**देश दीपक**

आईसीएसएसआर शोध अध्येता, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उ0प्र0, भारत, 208024.

# भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलू : भाषा, बोलियाँ, धर्म एवं जीवनशैली

**शोध-सार :** संस्कृति का अर्थ 'उत्तम' स्थिति से है, जो जीवनशैली, रीति-रिवाज, आचार-विचार, परंपराएँ और नवीन अनुसंधानों का समन्वय करती है। भारतीय संस्कृति विश्व की बहुआयामी संस्कृतियों में विशिष्ट स्थान रखती है, जिसमें धर्म, भाषा, कला, साहित्य, वेशभूषा और जीवनशैली की अद्भुत विविधता है। भारत में भाषाई विविधता अत्यंत समृद्ध है-संविधान द्वारा 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है, जबकि सैकड़ों बोलियाँ प्रचलित हैं। प्रमुख भाषाई परिवार आर्य, द्रविड़, ऑस्ट्रो-एशियाई और चीनी-तिब्बती हैं। भारत धर्मनिरपेक्ष देश है जहाँ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन आदि अनेक धर्मों के अनुयायी रहते हैं। सभी धर्म मानवता, प्रेम और सहअस्तित्व का संदेश देते हैं। भारतीय जीवनशैली 'अनेकता में एकता' की भावना पर आधारित है, जिसमें परंपरा, कला, त्योहार, भोजन, संगीत और नृत्य के विविध रूप समाहित हैं। भारतीय संस्कृति लचीली, सहिष्णु और समन्वयवादी रही है, जो समयानुसार अन्य संस्कृतियों की विशेषताओं को भी अपनाती रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सिद्धांत भारतीय संस्कृति की सार्वभौमिकता और मानवीयता को व्यक्त करते हैं। विविधता के बावजूद एकता की भावना ही भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है, जो इसे विश्व में अद्वितीय बनाती है।

**मुख्य शब्द :** भारतीय संस्कृति, भाषा, बोलियाँ, धर्म एवं जीवनशैली।

संस्कृति का अर्थ है 'उत्तम' अर्थात् अच्छी स्थिति। प्रत्येक जीवनशैली, रीति-रिवाज, रहन-सहन, आचार-विचार, नवीन अनुसंधान उत्तम संस्कृति की श्रेणी में आता है। विश्व भर में अनेक संस्कृतियों को मानने वाले अनुयायी रहते हैं। जिनमें भारतीय संस्कृति एक बहुआयामी संस्कृति है। भारतीय संस्कृति में कई तरह के रीति-रिवाज, भाषाएँ, बोलियाँ, प्रथाएँ, परम्पराएँ, सभ्यतायें, विभिन्न प्रकार की धार्मिक प्रणाली, वर्ण, जाति, समाज, वेशभूषा, ग्रन्थ, साहित्य, कलाएं, मनोरंजन,

जीवनशैली एवं खेलकूद आदि विविधताओं का अद्वितीय समावेश है। भारतीय संस्कृति सत्यों पर आधारित है। जिसका विकास अध्यात्म, धर्म तथा दर्शन से जुड़ा है।

**भाषा एवं बोलियाँ** - भारत में विविध प्रकार की भाषायें और बोलियाँ बोली जाती हैं, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा की विविधता को बढ़ाती है। भारतीय संविधान ने संघ सरकार के संचार के लिए हिंदी एवं अंग्रेजी इन दो भाषाओं के इस्तेमाल को आधिकारिक भाषा घोषित किया गया है, परन्तु व्यक्तिगत राज्य अपने आंतरिक संचार के लिए अपनी राज्य की ही भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं। भारत में हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। जबकि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। इन भाषाओं के अतिरिक्त पूरे देश में लगभग 400 भाषाएँ और अनगिनत बोलियाँ हैं (पाणिग्राही, 2019)। सभी भाषाएं अपने क्षेत्र में विशेषता उपयोग की जाती हैं। हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी को अवधी, भोजपुरी, बृजवासी, बुन्देली, बघेली आदि।
भारत में मुख्यतः दो प्रमुख प्रकार के भाषा सम्बन्धी परिवार है –

**1. आर्य भाषा -** आर्य भाषा के परिवार मुख्यतः भारत के उत्तरी, पश्चिमी, मध्य एवं पूर्वी क्षेत्रों में फैला हुआ है। आर्य भाषाओं का मुख्य संकेन्द्रण मैदानी भाग से है लेकिन इस भाषा का विस्तार प्रायद्वीपीय पठार तथा कोंकण तट तक भी पाया जाता है।

**2. द्रविड़ भाषा -** द्रविड़ भाषा के परिवार मुख्यतः भारत के दक्षिणी भूभाग में फैला हुआ है। द्रविड़ भाषा पठारी क्षेत्र एवं तटीय क्षेत्रों में बोली जाती हैं। इसमें कन्नड़, तेलुगू, तमिल व मलयालम प्रमुख भाषाएं हैं। गोंड व उरांव जनजातियां द्रविड़ भाषा बोलती हैं। द्रविड़ की उप-भाषाएं तुलू, कुई, कुर्गी, पार्जी, येरुकला एवं खोंड हैं। द्रविड़ भाषा बोलने वाले लोगों में लगभग 96 प्रतिशत चार प्रमुख भाषाओं तमिल, तेलुगू, कन्नड़ व मलयालम से जुड़ा है। आर्य एवं द्रविड़ भाषा के परिवार के पश्चात् सबसे बड़ा भाषा परिवार एस्ट्रो-एशियाई भाषा परिवार है। जिसमें भारत के मध्य व पूर्व में बोली जाने वाली मुंडा भाषाएँ, उत्तर-पूर्व में बोली जाने वाली खासी भाषाएँ और निकोबार द्वीप समूह में बोली जाने वाली निकोबारी भाषाएँ शामिल हैं। चीनी-तिब्बती परिवार की भाषाएँ पूर्वोत्तर तथा हिमालय व उप-हिमालय क्षेत्र के उत्तरी तथा उत्तरी-पश्चिमी भाग में रहने वाली जनजातियों द्वारा बोली जाती हैं। चीनी-तिब्बती परिवार की प्रमुख भाषाएँ लद्दाखी, शेरपा, तिब्बती, डाफ्ला, लाहुली, बाल्टी, सिक्किम, मिरी, कनौरी, भूटिया, लेप्चा, अका, मिशमी, चंबा, अबोर, बोडो, नागा, मणिपुरी, त्रिपुरी, गारो आदि हैं। भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं में लगभग 1400 बोलियाँ एवं भारतीय संविधान द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त 22 भाषाएं प्रजातंत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। हमारे भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों एवं जातियों द्वारा विभिन्न प्रकार की भाषाएँ बोली जाती हैं यथा - हिंदी, बांग्ला, भोजपुरी, कन्नड़, पंजाबी, गुजराती, तमिल, मलयालम, कश्मीरी, असमी, मराठी, उड़िया आदि। इस प्रकार भारतीय संस्कृति में अनेक प्रकार की भाषाओं एवं बोलियों की विविधता पाई जाती है।

**धर्म -** विश्वभर में भारतीय संस्कृति में अनेक धर्मों की संलिप्तता एवं विविधता पाई जाती है। भारत में लगभग सभी धर्मों को मानने वाले पाये जाते हैं। भारत में सर्वाधिक हिन्दू धर्म के अनुयायी हैं। हिन्दू धर्म को मानने वालों में भारत के अलावा नेपाल, मॅरीशस, फिजी व सूरीनाम में भी अनुयायी पाये जाते हैं। हिन्दू धर्म को प्राचीनतम धर्म माना जाता है। इसे वैदिक सनातन वर्णाश्रम धर्म भी कहते हैं। भारत में हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म, ईसाई धर्म, जैन धर्म आदि धर्म हैं। इस प्रकार प्रत्येक धर्म की अपनी स्वयं की धार्मिक मान्यतायें एवं संस्कृतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय संस्कृति में नास्तिकता एवं अज्ञेयवादियों का भी प्रभाव दिखाई देता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। जहां विभिन्न धर्म एवं सम्प्रदाय के लोग निवास करते हैं। भारत की अधिकतर जनसंख्या हिन्दू धर्म से आस्था रखती है। हिन्दू धर्म की शैव, शाक्य, वैष्णव और स्मार्त भी एक विविधता के रूप में व्याप्त है। भारत में विभिन्न संस्कृति एवं विभिन्न धर्मों का समावेश है तथापि सभी धर्मों का उद्देश्य

एक है जो मानवता एवं प्रेम का संदेश देता है।

**जीवनशैली -** भारत जैसे विरासत एवं सांस्कृतिक वाले समृद्ध देश में 'अनेकता में एकता' लागू होती है। वर्षों से यथा; मौर्य, चोल, मुगलकाल और ब्रिटिश साम्राज्य तक भी भारत हमेशा से अपनी परंपरा, संस्कृति और आतिथ्य के लिए जाना गया है। भारत देश की उदारता एवं जीवंत संस्कृति ने विदेशी सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित किया है। 'देवताओं की धरती' कहे जाने वाले भारत देश में संस्कृति, रिवाज, जीवनशैली और परंपरा बहुत खास है जिसमें विभिन्न धर्म, त्योहार, भोजन, कला, शिल्प, नृत्य, संगीत और कई परंपराओं एवं संस्कृतियों का मेल है। भारतीय जीवनशैली प्राकृतिक और सार्वभौमिकता जैसी जीवनशैली की दृष्टि देती है (सैनी, 2019)। किसी भी देश के विकास में उसकी संस्कृति, रीति-रिवाजों, परंपराओं एवं मान्यताओं का बहुत अधिक एवं महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारतीय संस्कृति मूल्य, लक्ष्य, प्रथाएं और साझा विश्वास का प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय संस्कृति कभी भी कठोर संस्कृति नहीं रही है, यह सही समय पर दूसरी संस्कृतियों की विशेषताओं को भी अपना लेती है। समय के साथ चलना, आधुनिकता एवं नवीनता को भी अपनाना भारतीय संस्कृति की अनूठी विशेषता है। भारत के वस्त्रों के कलात्मक पक्ष और उनकी गुणवत्ता पूरी दुनिया में मशहूर है। खादी, स्वर्णयुक्त रेशमी वस्त्र, रंग-बिरंगे परिधान, ठंड से पूर्णतः सुरक्षित सुंदर कश्मीरी शाल भारत के प्राचीन कलात्मक उद्योग हैं। भारतीय संस्कृति 'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम' एवं 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के सिद्धान्त में गहरी आस्था रखती है। अर्थात् भारतीय संस्कृति की जीवनशैली शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक शक्तियों का विकास ही है। यह यम, नियम, प्राणायाम, ब्रह्मचर्य, व्यायाम एवं आसन से जीवन जीने को प्रेरित करती है।

अतः उल्लेखनीय है कि भारत में विविध प्रकार की संस्कृतियों का समावेश है। यद्यपि भारत में आध्यात्मिक संस्कृति की प्रमुखता रही है जो मानव कल्याण की बात करता है। यहाँ विविध प्रकार की भाषा व बोलियाँ एवं धर्म होने के बावजूद 'अनेकता में एकता' पाई जाती है। यह भारतीय संस्कृति की महानता को दिखाता है।

**संदर्भ ग्रन्थ सूची :**


1. पाण्डेय, वी. (2019). भारतीय संस्कृति : इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य. यूनियन सृजन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा, 4(2). 10-12. Retrieved from https ://www.unionbankofindia.co.in/pdf/union-srujan-apr-jun-2019.pdf
2. पाणिग्राही, वी.सी. (2019). भिन्नता/समानता एवं विभिन्न पहलू. यूनियन सृजन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा, 4(2). 14-15. Retrieved from https ://www.unionbankofindia.co.in/pdf/union-srujan-apr-jun-2019.pdf
3. सैनी, वी.एम. (2019). पहनावे के विविध रंग. यूनियन सृजन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा, 4(2). 56-59. Retrieved from https ://www.unionbankofindia.co.in/pdf/union-srujan-apr-jun-2019.pdf
4. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4_%E0%A4%95%E0%A5%80_%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A4%BF
5. https ://www.vivacepanorama.com/language-religion-and-culture/
6. https ://www.drishtiias.com/hindi/paper1/indian-civilization,-present-form-of-culture-and-its-importance


•